

## रखवाले | by Rajendra Agarwal Dei

जिसने तेरे दर पे शीश झुकाया  
उसको तूने अपने गले लगाया  
क्या क्या तूने उसको नहीं दिया है  
जिसने भी दिल से कहा है  
मेरी बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले

जबसे मिला है तेरा ठिकाना  
आसान हुआ है जीवन चलाना  
रहती थी पहले मुश्किल बड़ी ही  
पर अब मिला खुशियों का खज़ाना  
तू खोले बंद किस्मत के ताले  
बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले

कहदे जो इक बार तुझसे कन्हैया  
बन जाता है तू उसका खिवैया  
कैसी भी लहरें कैसी भी मुश्किल  
छू भी नहीं सकती उसको नैया  
जब सांवरा खुद उसको संभाले  
बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले

जब सारी दुनिया हो तेरे विपरीत  
आना शरण श्याम की हो समर्पित  
राजू पे गुज़री है ये हकीकत  
श्याम सहारा कर देगा हर्षित  
बोल तो दे एक बर बावले  
बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले  
मेरी बगिया के रखवाले श्याम खाटूवाले

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%96%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-b-y-rajendra-agarwal-de/>